उदधार के लिए परमेश्वर का रल उपाय

मेरे मित्र: में आप के जीवन की सबसे अधिक आवश्क प्रशन को पूछ रहा हूँ । आप के भविष्य के जीवन का आनंद या शोक सब इशी पर निभर्र है। प्रशन यह है क्या आप का उदधार हुआ है? इस का अथर् यह नहीं है की आप किस चचर् की सदस्य है, परन्तु क्या आप का उधर हुआ है ? ईश का अथर् यह भी नहीं है की आप कितने भले हैं, परन्तु क्या आप बच गए हैं? क्या आपको यक़ीन है की मरने के बाद आप स्वगर् जायेंगे?

परमेश्वर कहता ह स्वगर् जाने के लिए आप का पुनजर्न्म आवश्क है | यीशु नीकुदेमुस को यूहन्ना ३:७ में यह कहता है ," तुम्हे नए सिरे से जन्म लेना आवश्क है।"

परमेश्वर अपने धमर्शास्त्र मे पुनजर्न्म का उपाय बताता है। उसका उपाय सहज है, आप आज उदधार पा सकते हैं। कैसे?

प्रथम मेरे मित्र ; आप को यह एहसास करना है की आप एक पापी हैं। (रोमि ३:२३) ...." इसलिए की सब ने पाप किया और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।"

इसलिए की आप एक पापी हैं, आप पर मृत्यू के दंड की आज्ञा है। "क्यों की पाप की मजदूरी तो मृत्यु है" रोमि ६: २३).... | नरक मैं परमेश्वर से हमेशा की जुदाई इसमें शामिल है|

"और जैसे मनुष्यों के लिए एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है।"(इब्रानियों ९:२७) |

क्योंकि परमेश्वर ने आप से ऐसा प्रेम रखा कि आपके पाप उठाने और आपके स्थान पर मरने उसने अपना एकलौता पुत्र, येसु, को दे दिया ।" जो पाप से अज्ञात था (यीशु, जो पाप नहीं जान ता था), उसी को उस ने हमारे लिये पाप ठहराया, कि हम उस में होकर परमेश्वर ी धामिकर् ता बन जाएं॥" (२ कुरी. ५: २१) ..... |

येसु को हमरे लिए खून बहा के कृष पर मारना था| "क्योंकि शरीर का प्राण लोहू में रहता है|" (लैव्यवस्था १७:११)| "और बिना लोहू बहाए क्षमा नहीं होती।" (इब्रानियों ९:२२)|

"परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।"(रोमि ५:८)

आब हम समझ नहीं सकते हैं की कैसे हमारा पाप येशु पर लादा गया था, परन्तु परमेश्वर अपने वचन मैं कहते हैं इसलिए यह सच था। तुम्हारा पाप यीशु के ऊपर लादा गया और वह तुम्हारे बदले मर गया। वह हमरा प्रतिनिधि बन गया| यह सच है। ईश्वर झूठ बोल ही नहीं सकता है।

(प्रेरितों १७:३०) "परमेश्वर ..... हर जगह सब मनुष्योंको मन फिराने की आज्ञा देता है|" मेरे मित्र; यह पस्च्यताप का मतलब मन परिवतर्न करना होता है जिसमे आप एक पापी है यह मान ना होता है। और यीशु ने हमारे लिए क्रूसपर अपना जीवन दी, यह भी मान ना हो ता है|

(प्रेरितों १६:३०-३१).....फिलिप्पी के जेल दरोगा ने पौलुस और सिलास से पूछा; "हे साहिबो, उदधार पाने के लिए मैं क्या करूँ।" उन्होंने कहा, प्रभु यीशु मसीह पर विस्वास करो तो तू और तेरा घराना उदधार पायेगा । केवल उसपर विस्वास करो जिशने तुम्हारे पाप उठाया और तुम्हारे बदले अपना प्राण दे दिया। अब उसके नाम को लो। जो तुम्हारा पाप उठाया, तुम्हारे स्थान पे मर गया, समाधिस्त हुआ और जिसे परमेश्वर ने पुनजीर्बित कया उसपे भरोसा रखो। येसु का पुनजीर्बित होना एक विस्वासी जो यीशु को अपना उद्धारक मानता है, उसको अन्नत जीवन देता है।

(यूहन्ना १:१२)....."परन्तुजितनोंने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दे दिया, अयार्त् उन्हें जो उसके नाम पर विस्वास रखते हैं।"

रोमि १०:१३ ....." क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा वह उद्धार पायेगा ।"

क्यों की 'जो कोई' (इस में तुम भी मिले हो) प्रभु का नाम लेगा वह उद्धार पायेगा(निस्चय पायेगा: यह नहीं की शायद पायेगा या और न पा सकता है, परन्तु) निस्चय उद्धार पायेगा ।

निश्चित रूप से तुम को एसास करना है की तुम एक पापी हैं । इशी समय, तुम जहाँ कही भी हो पच्छाताप के साथ अपने हृदय को परमेश्वर के समुख प्राथर्ना मे उठाओ।

लुक १८:१३ में पापी प्राथर्ना करता है..... "हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर।" केवल कहो; " हे परमेश्वर मै एक दुःखी पापी हूँ। मैं विस्वास कर ता हूँ की यीशु मेरे स्थान पर क्रूस पर पर मर गया| मैं विस्वास करता हूँ की उसका लहू बहा, मृत्यु, समाधी और जी उठना मेरे लए था| वह मेरा रक्षक है, यह मे अभी ग्रहण करता हूँ ।पाप क्षमा, रक्षण का उपहार, अन्नंत जीवन और आप का दयालु अनुग्रह के लिए मैं आप का धन्यवाद करता हूँ| आमीन|

केवल परमेश्वर के वचन पर विस्वास करो और विस्वास के साथ उसका रक्षण को मांगो । विस्वास करो तो तू उद्धार पायेगा । न गिरजा घर, न सभा घर, न अच्छे काम, न और कु छ परन्तु केवल परमेश्वर तुम को बच्चा सकता है। याद रखो, केवल परमेश्वर उद्धार करता है ।

उद्धार का सहज उपाय है; तुम एक पापी हो; अगर तुम यीशु के उपर विस्वास नहीं करोगे तो तुम्हे अनंत काल नरकमें जीवन बिताना पड़ेगा| अगर तुम विस्वास करो की वह तेरा क्रूस पर चढाया, दफनाया गया और पुनजीर्वित उद्धारक है तो तुम तुम्हारे सारे पापों के लिए क्षमा पायगे और अनंत रक्षण का उपहार भी पायोगे|

तुम कहते हो, "निस्चय बचने के लिये इतना बस नहीं है।" हो यह बस है। बिलकुल बस है । यह धमर्शास्त्र के अनुसार है यह परमेश्वर का उपाय है। मेरे मित्र, यीशु पर विस्वास कीजिये और आज ही उसे अपना रक्षक बोलके ग्रहण कीजिये|

यदि यह पूणर् रूप से स्पष्ट नहीं है, तो इसे उस समय तक बार बार पढ़ो जब तक की तुम इसे भली भांति समझ जाओ। तुम इस परचे को अलग न रखो पर पढ़ते जाओ। तुम्हारा आत्मा सारे जगत से अधिक मुल्यवान है।

मरकुश ८:३६ ..... " यदि मनुष्य सरे जगत को प्राप्त करे अपनी प्राण की हानि उठए तो उसे क्या लाभ होगा। या मनुष्य अपने प्राण के बदले क्या देगा ।"

तुम अपने उद्धार को निस्चय करो। यदि तुम अपने आत्मा को नाश करते हो तो तुम स्वगर् और सब कु छ खो देते हो। दया करके परमेश्वर को तुझे अभी उधार करने दो ।

वह यीशु तुम्हे बचाएगा, तुम्हारी रक्षा भी करेगा और तुम्हे एक विजयी मसीही जीवन जीने के लिए सक्षम भी करेगा। (१ कुरि. १०:१३)....." तुम किसी ऐसी परीक्षा मे नहीं पड़े जो मनुष्य के सहन से बहार है और परमेश्वर सच्चा है, जो तुम्हे समथर् से बहार परीक्षा मे न पड़ने देगा बरन परीक्षा की साथ विकार भी करेगा की तुम सह सको।"

तुम अपने बिचारों पर भरोसा भर रखो। वह बदलते रहतें है। परमेश्वर की प्रतिज्ञानो पर खड़े हो। वह कभी भी नहीं बदलते है।"

उद्धार पाने की पस्चात तीन चीज़ें है जिनको तुम्हे प्रति दिन आत्मिक बिकास के लिये अभ्यास

करना है :.....

(१) प्राथर्ना करना .....इस के द्वारा तुम परमेश्वर के साथ बातचीत करते हो।

(२) धमर्शास्त्र पढ़ना....इसके द्वारा परमेश्वर तुम से बोलता है।

(३) साक्षी..... इस के द्वारा तुम परमेश्वर के विशय मै बोलते हो।

येसु मसीह के आज्ञा का पालन करते हुए आप का बपतिस्मा होना चाहिए, जो आप का साबर्जनिक रक्षण साक्षी होगा और बिना देर करते हुए एक धमर्शास्त्र को मान ने वाला मंडली के साथ एकजुट होइये। "इसलिये हमारे प्रभु की गवाही से लज्ज़ित न हो" (2 तीमुथियुस १:८)| मती १०:३२...." जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा उसे मै भी अपने स्वगीर्य पिता के सामने मान लूंगा।

यदि तुम ने उद्धार पा लिया हे, तो हम लोगों को निम्नलिखित पते पर समाचार दो की हम भी तुम्हारे साथ आनंद करें। पता:-

यदि आप खोयें हुओं को बचने मे सहायता करने की अनुरागी हैं तो इस परचे को मँगबाने की व्यवस्था कीजिये।